राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1412

03 जुलाई, 2019 को उत्तर के लिए

भारतीय इस्पात के निर्यात में गिरावट

1412. श्री माजीद मेमनः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि गत वित्तीय वर्ष के दौरान भारतीय इस्पात के निर्यात में 34 प्रतिशत तक गिरावट आई है और तैयार इस्पात का आयात 4.7 प्रतिशत बढ़ा है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या यह भी सच है कि चीन, जापान, दक्षिण कोरिया और इंडोनेशिया से आयात बढ़ा है क्योंकि उन्होंने इस्पात की अतिरिक्त आपूर्ति भारत में भेज दी है; और

(घ) सरकार ने बढ़ते इस्पात आयात को रोकने के लिए क्या-क्या कदम उठाए हैं?

उत्तर

इस्पात मंत्री **(श्री धर्मेंद्र प्रधान)**

(क): जी हाँ।

(ख): निर्यात में कमी और आयात में वृद्धि के कारण इस प्रकार हैं:-

i. यूएसए द्वारा इस्पात पर 25 प्रतिशत का एकतरफा टैरिफ लगाया जाना।
ii. भारत के हित में निर्यात की जाने वाली कुछ इस्पात मदों पर ईयू और कनाडा द्वारा सुरक्षोपाय शुल्क लगाया जाना।
iii. विश्व बाजार में इस्पात मूल्यों में कमी।
iv. कुछ देशों का इस्पात निर्यात भारत की तरफ डायवर्ट होना।
v. घरेलू स्तर पर उत्पादित न किए जाने वाले विशिष्ट इस्पात उत्पादों का आयात।
vi. एफटीए सहयोगी देशों से आयात में वृद्धि।

(ग): दक्षिण कोरिया, जापान और इंडोनेशिया से आयात की मात्रा बढ़ी है जबकि चीन के मामले में यह घटी है।

(घ): सरकार ने मनमाने आयातों के खतरे से बचने के लिए कुछ इस्पात उत्पादों पर एंटी-डंपिंग और प्रतिकारी शुल्क के रूप में व्यापारिक उपचारात्मक उपाय किए हैं।

****